1-तत्सम एवं तद्भव शब्द

तत्सम शब्दः किसी भी भाषा के मूल शब्दों को तत्सम शब्द कहते हैं। हिन्दी की मातृ भाषा संस्कृत होने के कारण संस्कृत भाषा के जो शब्द मूल रूप में ही हिन्दी भाषा में प्रयुक्त होते हैं, वे तत्सम शब्द कहलाते हैं।
उदाहरणः आम्र, खर्पर, तिक्त, त्वरित इत्यादि।
तद्भव शब्दः संस्कृत के मूल शब्द (तत्सम) की विकृति से उत्पन्न जो शब्द हिन्दी भाषा में प्रयुक्त होते हैं, उन्हें तद्भव कहते हैं।
उदाहरणः आग (अग्नि), फूल (पुष्प), पिया (प्रिय) आदि।

तत्सम और तद्भव शब्दों को पहचानने के नियम

- तत्सम शब्दों में 'ष' वर्ण का प्रयोग होता है। जैसे - किसान- कृषक, असीस-आशीष
- तत्सम शब्दों में 'ऋ' की मात्रा का प्रयोग होता है। जैसे - कचहरी-कृतगृह, झनकार-झंकृत
- तत्सम शब्दों में 'र' की मात्रा का प्रयोग होता है। जैसे - आम- आम्र, ताँबा - ताम्र
- तत्सम शब्दों में प्रायः 'र' के स्थान पर 'ण' वर्ण का प्रयोग होता है। जैसे - अमचूर-आम्रचूर्ण, अरपन - अर्पण
- तत्सम शब्दों में प्रायः 'त्र' का प्रयोग होता है। जैसे - कपूत - कुपुत्र, जहाँ-यत्र, चीता-चित्रक
- तत्सम शब्दों में प्रायः 'प्र' का प्रयोग होता है। जैसे - पिया -प्रिय, पहला-प्रथम, पहर-प्रहर
- तत्सम शब्दों के पीछे 'क्ष' वर्ण का प्रयोग होता है और तद्भव शब्दों के पीछे 'ख' या 'छ' शब्द का प्रयोग होता है। जैसे - पंछी-पक्षी
- तत्सम शब्दों में 'श्र' का प्रयोग होता है और तद्भव शब्दों में 'स' का प्रयोग हो जाता है। जैसे - धन्नासेठी - धन्नश्रेष्ठी
- तत्सम शब्दों में 'श' का प्रयोग होता है और तद्भव शब्दों में 'स' का प्रयोग हो जाता है। जैसे - दिया सलाई- दीपशलाका , अंस - अंश
- तत्सम शब्दों में 'व' का प्रयोग होता है और तद्भव शब्दों में 'ब' का प्रयोग होता है। जैसे - बन- वन
- जिस शब्द में चन्द्रबिन्दु का प्रयोग हो, वह निश्चय ही तद्भव शब्द होगा। जैसे-

तद्भव	तत्सम
कुआँ	कूप
आँवला	आमलक
आँसू	अश्रु
आँख	अक्षि
गँवार	ग्रामीण/ग्रामकार
भौंरा	भ्रमर

- यदि चन्द्रबिंदु के विपरीत शब्द में अनुस्वार अथवा पंचम वर्ण (ङ, ञ, ण, न, म) का प्रयोग हो, तो वह तत्सम शब्द होगा। जैसे-

तत्सम	तद्भव
चन्द्र	चाँद
अंक	आँक
कंटक	काँटा
अंगरक्षक	अँगरखा
अंधकार	अँधेरा
बंध	बाँध

- कभी-कभी तत्सम शब्द में आए हुए 'ष्'/'ष' का तद्भव में 'स' या लोप हो जाता है। जैसे-

तत्सम	तद्भव
अष्टादश	अठारह
आशीष	आसीस
कृषाण/कृषक	किसान
वेश	भेस
अग्निष्ठिका	अँगीठी
अष्टक्रीडा	अठखेली

Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

अषाढ़	असाढ़
अष्ट	आठ
पृष्ठ	पीठ
कृष्ण	किसन
अँगुष्ठ	अँगूठा

- यदि तत्सम शब्द 'स्थ'/'स्त' से प्रारम्भ हो, तो तद्भव में उसके स्थान पर केवल 'थ'/'स' वर्ण ही रह जाता है। जैसे-

तत्सम	**तद्भव**
स्तम्भ	थंभ
स्तोक	थोड़ा
स्तन	थन
स्थिर	थिर
सील	थल
स्थान	थान/ठाँव
स्तम्भन	थामना
सुस्थिर(सु:स्थिर)	सुथर

- कभी-कभी यह नियम शब्द के मध्य में आये वर्ण पर भी लागू हो जाता है। जैसे-

तत्सम	**तद्भव**
हस्त	हाथ
हस्त	हथौड़ा
पुस्तिका	पोथी
हस्ती	हाथी

- तत्सम शब्द 'थ' वर्ण से और तद्भव शब्द 'य'/'व' वर्ण से कभी-भी प्रारम्भ नहीं होते। परन्तु कुछ अपवाद मिल जाते हैं। जैसे-

तत्सम	**तद्भव**
एष	यह
अत्र	यहाँ
विक्षोभ	विछोह/वियोग
थुत्कार/थूत्कार	थूकना
एवम्	यों
असौ	वह

- यदि 'र' वर्ण किसी शब्द के ऊपर (रेफ) या नीचे आए, तो वह तत्सम शब्द ही होगा। जैसे-

तत्सम	**तद्भव**
कर्पट	कपड़ा
गदर्भ	गधा
कर्म	करम/काम
चक्रवाक	चकवा
धर्म	धरम
नर्म	नरम
आम्र	आम
उष्ट्र	ऊँट
खर्जूर	खजूर

- यदि क्ष, त्र, ज्ञ, श्र, श्रृ, ऋ, द्य जैसे संयुक्त व्यंजनों का प्रयोग शब्द में हुआ हो, तो वह सदैव तत्सम होगा। जैसे-

तत्सम	**तद्भव**
ऋक्ष	रीछ

Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

घृत	घी
श्रावण	सावन
अश्रु	आँसू
गृह	घर
चित्रक	चीता
कीदृश	कैसा

विशेष- 'ऋ' वर्ण का प्रयोग केवल तत्सम शब्दो में ही होता है, 'ऋ' ध्वनि हिन्दी में समाप्त हो चुकी है।

- यदि तालव्य 'श' का प्रयोग हुआ हो, तो तत्सम और दन्त्य 'स' का प्रयोग हुआ हो, तो वह तद्भव शब्द होगा। जैसे-

तत्सम	तद्भव
स्पर्श	परस
आश्विन	आसोज (आसिन)
शाक	साग
दश	दस
आदेश	आयसु
परशु	फरसा
शिर	सिर
शीर्ष	सीस
शिला	सिल
शून्य	सुन्न

- कभी-कभी 'स्' वर्ण का तद्भव रूप में 'स' अथवा लुप्त हो जाता है। जैसे-

तत्सम	तद्भव
आलस्य	आलस
कस्स	किस
स्पर्श	परस
स्फुटन	फूटना
हास्य	हँसी
स्फटिक	फिटकरी
स्वर्णकार	सुनार
अस्थि	हड्डी
कांस्याकार	कसेरा
उत्साह	उछाह

- अधिकांशतः आधे-अधूरे एवं संयुक्त वर्णों का प्रयोग तत्सम शब्दों में ही होता है। जैसे-

तत्सम	तद्भव
पृच्छन	पूछना
पार्श्व	पास
वन्ध्य	बाँझ
उद्वर्तन	उबटन
गर्गर	गागर
भ्रातृव्य	भतीजा
मंजिष्ठ	मजीठ
श्वश्रू	सास
शिम्बा	सेम
उड्डु	उड़
चंचु	चोंच
दृष्टि	डीठ
नप्तृ	नाती

Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

पश्चात्	पीछे
चतुष्षष्ठि	चौंसठ
तिरश्च	तिरछा
द्विसृत	दूसरा
अनुत्थ	अनूठा
अलग्न	अलग
कोअपि	कोई
मृत्तिका	मिट्टी
अभ्यन्तर	भीतर
सार्द्ध	साढ़े
अधःस्थिति	हेठी

- यदि 'व' वर्ण से प्रारम्भ हुआ हो, तो वह तत्सम और 'ब' से प्रारम्भ हुआ हो, तो वह तद्भव शब्द होगा। जैसे-

तत्सम	**तद्भव**
वानर	बंदर
वधू	बहू
वर्कर	बकरा
वर्धन	बढ़ना
वासगृह	बसेरा
वत्स	बच्चा/बझड़ा
वरयात्रा	बारात
वचन	बैन
वामन	बौना
वृश्चिक	बिच्छू

अपवाद -

तत्सम	**तद्भव**
बालुका	बालू
बिन्दु	बिंदी
बहिर्	बाहर/ वाह्य
असौ	वह
विक्षोभ	विछोह
बलीवर्द	बैल
बदरी	बेर
बिल्व	बेल

- तत्सम शब्दों में आये कुछ वर्णों का तद्भव शब्दों में निम्नवत् रुप में परिवर्तन हो जाता है- क्ष-छ/च्छ/ख, ज्ञ-ज, त्र-त, य-ज, श्रृ/श्र-स। जैसे-

तत्सम	**तद्भव**
अक्षर	आखर/अच्छर
श्राप	शाप
क्षति	छति
योगी	जोगी
क्षेत्र	खेत
नक्षत्र	नखत
युक्ति	जुक्ति/जुगति
यजमान	जजमान
ज्ञान	जान
श्रेष्ठि	सेठ

GET IT ON Google Play
Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

- कभी-कभी तत्सम एवं तद्भव दोनों शब्दों में अथवा केवल तद्भव में ही अनुस्वार का प्रयोग पाया जाता है।
जैसे-

तत्सम	तद्भव
पक्षी	पंछी
पक्ष	पंख
नग्न	नंग/नंगा
कंकण	कंगन
कंकती	कंघी
दंश	डंक
एरंडी	अंडी
ननांदपति	नंदोई
पंक्ति	पंगत

महत्वपूर्ण तत्सम एवं तद्भव शब्दों की सूचीः

तद्भव		तत्सम
सीढ़ी	-	श्रेढ़ी, श्रेणी
सीख	-	शिक्षा
सींग	-	श्रृंग
सिर	-	शिर
सियार	-	श्रृगाल
सितार	-	सप्ततार
सिक्ख	-	शिष्य
सिकड़ी	-	श्रृंखला
सिंह	-	शार्दूल
सिंघाड़ा	-	श्रृंगाटक
सिंगार	-	श्रृंगार
साहू	-	साधु
साही	-	शल्यकी
साहित्यक	-	साहित्यिक
सास	-	श्वश्रृ
सावन	-	श्रावण
साला	-	श्याल
सार्थी	-	सारथि
साथ, साथी	-	सार्थ
सातवाँ	-	सप्तम
सात	-	सप्त
साढ़े	-	सार्द्ध
साढ़ू	-	श्यालीवाट
साड़ी	-	शाटी
साठ	-	षष्ठि
साझा	-	सांश
साझं, संझा	-	संध्या
साग	-	शाक
साखी	-	साक्षी
सांवां	-	श्यामक
सांप	-	सर्प
सांड़	-	षण्ड
साँस	-	श्वास
साँवला	-	श्यामल
साँप	-	सर्प
साँझ	-	सन्ध्या
साँचा	-	सच्चक
साँकल	-	श्रृंखला
साँई	-	स्वामी
सहेली	-	सह हेलनी, सह+एली
सहिजन	-	शोभांजन
ससुराल	-	श्वसुराल, श्वसुरालय
ससुर	-	श्वसुर
सवा	-	सपाद
सलोना	-	सलावण्य
सलाई	-	शलाका
सराध	-	श्राद्ध
सरसों	-	सर्षप
सरबस	-	सर्वस्व
सरग	-	स्वर्ग
होली	-	होलिका
होंठ	-	ओष्ठ
हेठी	-	अधःस्थिति
हुलास	-	उल्लास

GET IT ON Google Play **Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"**

तद्भव		तत्सम	तद्भव		तत्सम
हीरा	-	हीरक	सूँड़	-	शुण्ड, शुण्डा
हींग	-	हिंगु	सुहाग	-	सौभाग्य
हिलना	-	हिल्लन, हल्लन	सुमिरन	-	स्मरण
हिरन	-	हरिण	सुन्न	-	शून्य
हिया	-	हृदय	सुनार	-	स्वर्णकार
हिनहिनाना	-	ह्वेषण, हेषण	सुन	-	श्रृणु
हार	-	हारि	सुथरा	-	सुस्थिर
हाथी	-	हस्ति	सुडौल	-	सुष्ठु
हाथ	-	हस्त	सुघड़	-	सुघट्ट
हाट	-	हट्ट	सुग्गा	-	शुक
हल्दी (हरदी)	-	हरिद्रा	सुई	-	सूचिका, सुचि
हलका	-	लघुक	सुआ	-	शुक
हरा	-	हरित	सुअर	-	शूकर
हरड़	-	हरीतकी	सीस	-	शीर्ष
हथौड़ा	-	हस्त	सीला	-	शीतल
हथिनी	-	हस्तिनी	सीना	-	सीवन
हड्डी	-	अस्थि	सीधा(कच्चा भोजन)	-	असिद्ध
हँसी	-	हास्य	सीधा	-	शुद्ध
सौरी	-	प्रसूतिगृह	सयाना	-	सज्ञान
सौत	-	सपत्नी	समेटना	-	समावर्त
सौंप	-	समर्पय	समझ	-	संबुद्धि
सौ	-	शत	सबद	-	शब्द
सोहन	-	शोभन	सपूत	-	सुपुत्र
सोलह	-	षोड्श	सपना	-	स्वप्न
सोनार	-	स्वर्णकार	सन्यासी	-	संन्यासी
सोना	-	स्वर्ण	सन्मान	-	सम्मान
सोता	-	स्रोत	सनीचर	-	शनैश्चर
सोंध	-	सुगंध	सनक	-	शंक
सोंठ	-	शुष्ठि	सत्रह	-	सप्तादश
सैंतीस	-	सप्तत्रिंशत्	सत्तू	-	सक्तु
सैंतालिस	-	सप्तचत्वारिंशत्	सत्तासी	-	सप्ताशीति
सेमर	-	शालमलि	सत्तावन	-	सप्तपंचाशत्
सेम	-	शिम्बा	सत्ताईस	-	सप्तविंशति
सेठ	-	श्रेष्ठी	सत्त	-	सत्व
सेज	-	शय्या	सताना	-	संतापन
सेंध	-	संधि	सतहत्तर	-	सप्तसप्तति
सूरज	-	सूर्य	सतसई	-	सप्तशती
सूय (वीरता)	-	शौर्य	रात	-	रात्रि
सूना	-	शून्य	राजपूत, रावत	-	राजपुत्र
सूत	-	सूत्र	राखी	-	रक्षा, रक्षिका, रक्षासूत्र
सूखा	-	शुष्क	राख	-	क्षार

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

तद्भव		तत्सम
रस्सी	-	रश्मि, रज्जु
रसोई	-	रसवती
रमना	-	रमण
रत्ती	-	रक्तिका
रचना	-	रचन
रगड़ना	-	घर्षण
रखना	-	रक्षण
रंभाना	-	रंभण
रंगना	-	रंजन
यों, ज्यों	-	यदा एवम्
यों	-	एवम्
युगल	-	युग्म
युक्त	-	युत
याम	-	यामि
यादव	-	यदुवंशी
याग	-	यज्ञ
या	-	वा
यह	-	एष
मौसी	-	मातृष्वसा
मौसा	-	मातृष्वसृपति
मौर	-	मुकुट
मौर (सिर, चोटी)	-	मौलि
मौर (मंजरी, बौर)	-	मुकुल
मौत	-	मृत्यु
मोर	-	मयूर
मोती	-	मौक्तिक
मोती	-	मुक्ता
मोड़ना	-	मोटन
मोची	-	मोचिन (छुड़ाने वाला)
मैहर (नैहर)	-	मातृगृह
मैल	-	मल
मेह	-	मेघ
मेढक	-	मण्डूक
में	-	मध्ये
मूठ	-	मुष्टि
मूँदना	-	मुद्रण
मूँड़	-	मुंड
मूँछ	-	श्मश्रु
मूँग	-	मुद्ग
मुट्ठी	-	मुष्टि, मुष्टिका
सज्जन	-	स्वजन

तद्भव		तत्सम
सजाना	-	सज्जापन
सच	-	सत्य
सगुन	-	शकुन
सगा	-	स्वक
सकना	-	शक्यते
संसारिक	-	सांसारिक
संयासी	-	संन्यासी
सभलउ	-	सफल
सँडसी	-	संदर्शिका, संदेशिका, संदंश
शीशम	-	शिंशपा
शिश्य	-	शिष्य
शलाख	-	शलाका
शबरी	-	शवरी
शबर	-	शवर
शक्कर	-	शर्करा
वीभत्स	-	बीभत्स
विछोह	-	विक्षोभ
वहाँ	-	तत्र
वह	-	असौ
लौंग	-	लवंग
लोहार	-	लौहकार
लोहा	-	लौह
लोयन	-	लोचन
लोमड़ी	-	लोमशा
लोभी	-	लुब्ध
लोभ	-	लुब्द्ध
लोन	-	लवण
लोथ	-	लोत्र, लोष्ठ
लोढ़ा	-	लोष्ठ
लोग	-	लोक
लेई	-	लेपिका
लूटना	-	लुट्
लूक	-	उल्का
लुहार	-	लोहकार
लीलार	-	ललाट
लीख	-	लिक्षा
लिपटना	-	लिप्त
लालच	-	लालसा
लादना	-	लर्दयति
लाठी	-	लगुड़, यष्टि
लाज	-	लज्जा

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

तद्भव		तत्सम	तद्भव		तत्सम
लाख (पदार्थ)	-	लाक्षा	मिठाई	-	मिष्टान्न
लाख	-	लक्ष	मिट्टी	-	मृत्तिका
लहसुन	-	लशुन	माला	-	मानिक
लड़ना	-	रणन	मारग	-	मार्ग
लड्डू	-	मोदक	माया	-	मातुल
लटकना	-	लटन	मानुस	-	मनुष्य
लछमी	-	लक्ष्मी	मानिक	-	माणिक्य
लच्छा	-	लवगुच्छा	माना	-	मान्य
लच्छन	-	लक्षण	मानना	-	मानन
लगना	-	लगन	माथा	-	मस्तक
लखपति	-	लक्षपति	माँ,	-	मातृ, माता
लकड़ी	-	लगुड़	महुआ	-	मधूक
लंगोट	-	लिंगपट्ट	महँगा	-	महार्थ
लँगड़ा	-	लंग	मसा	-	मशक
रोपना	-	रोपण	मनसा	-	मनोवांछा
रोना	-	रुदन	मनका	-	मणिका
रोटी	-	रोटिका	मदमाता	-	मदमत्त
रोआँ	-	रोम	मढ़ना	-	मंडन
रैन	-	रजनी	मठिया	-	मठ
रुप	-	रुप्य	मटका	-	घड़ा
रुठा	-	रुष्ट	मजीठ	-	मंजिष्ठ
रुखा	-	रुक्ष	मछली	-	मत्स्य
रुख	-	वृक्ष	मच्छरता(डाह)	-	मत्सर
रुपया	-	रोप्या	मच्छर, मसा	-	मशक
रुग्ण	-	रोगी	मगर	-	मकर
रुखाई	-	रुक्षता	मग	-	मार्ग
रीस	-	ईर्ष्या	मक्खी	-	मक्षिका
रीता	-	रिक्त	मक्खन	-	म्रक्षण
रीठा	-	रिष्ट, अरिष्ट	फेरना	-	प्रेरण
रीछ	-	ऋक्ष	फेफड़ा	-	फुफ्फुस
रिझाना	-	रंजन	फूलना	-	फुल्लन
रास	-	राशि	फूल	-	पुष्प, फुल्ल
रानी	-	राज्ञी	फूटना	-	स्फुटिन, स्फुटन
मुझे	-	मह्यम्, मह्माम	फुरती	-	स्फूर्ति
मुखिया	-	मुख्य	भैंसा	-	महीष
मुआ	-	मृत	भेस	-	वेश
मुंदरी	-	मुद्रिका	भेदी	-	भेदिन
मुँह	-	मुख	भेड़िया	-	वृक्
मीत	-	मित्र	भूसा	-	बुष
मीठा	-	मिष्ट	भूसन	-	भूषण
मिष्ठान	-	मिष्टान्न	भूख	-	बुभुक्षा
			भुवाल	-	भूपाल

Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

तद्भव		तत्सम	तद्भव		तत्सम
भीतर	-	अभ्यन्तर	बैल	-	वृषभ, बलद
भीख	-	भिक्षा	बेर	-	बदरी/कर्कन्धू
भी	-	अपि	बेधना	-	वेधन
भिखारी	-	भिक्षाकारी	बेटा	-	वत्स
भावज	-	भ्रातृजाया	बेईमानी	-	अनार्जव
भालू	-	भल्लुक	बेंत	-	वेतस्/वेत्र
भाला	-	भल्ल	बूड़ना, डूबना	-	बुडन्
भाभी	-	भ्रातृभार्या, भ्रातृवधू	बूटी	-	वृत्तिक
भाप	-	वाष्प	बूझना	-	बुध्यते
भादों	-	भाद्रपद	बूँद	-	बिन्दु
भादो	-	भाद्र	बुरा	-	विरूप
भात	-	ओदन	बुड्ढा	-	वृद्ध
भाड़ा	-	भाटक	बुआ	-	पितृश्वसा
भाई	-	भ्रातृ	बीस	-	विंशति
भांड	-	भंड, भट्ट	बीत	-	व्यतीत
भांजी	-	भागिनयी	बीच	-	वर्त्म
भांजा	-	भागिनेय	बीघा	-	विग्रह
भस्म	-	भस्मन्	बींधना	-	वेधन
भविष्य	-	भविष्यत्	बिल	-	विवर
भला	-	भद्रक, भद्र	बिनती	-	विनति
भर्तार	-	भर्तृ	बिजली	-	विद्युत्
भरोसा	-	वराशा	बिछोह	-	विक्षोभ
भभूत	-	विभूति	बिछड़ना	-	विच्छेद
भत्ता	-	भृत्या	बिच्छू	-	वृश्चिक
भतीजा	-	भ्रातृज, भ्रातृव्य	बिगाड़	-	विकार
भतीजा	-	भ्रातष्य	बिकना	-	विक्रयण
भण्डार	-	भण्डागार	बिंदी	-	बिंदु
भट्ठी	-	भ्राष्ट्र, भ्राष्ट्रिका	बासठ	-	द्वाषष्ठि
भगत	-	भक्त	बावली	-	वापी
भंवरा	-	भ्रमर	नेवता(नेउता)	-	निमंत्रण
भगत	-	भक्त	नीम	-	निम्ब
भंडार	-	भांडागार	नीचे	-	नीचैः
ब्याह	-	विवाह	नीचा	-	नीच्य
बौना	-	वामन	नींबू	-	निंबुक
बौंर	-	बेलि	नींद	-	निद्रा
बोहनी	-	बोधन	निहाई	-	निधाति
बोना	-	वपन	निहंग(एकाकी)	-	निःसंग
बैसाखी	-	द्विशाखिका	निभाना	-	निर्वहन
बैठ	-	उपविष्ठ	निबाह	-	निर्वाह
बैन	-	वचन	निन्नानवे	-	नवनवति
बेल	-	बिल्व			

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

तद्भव		तत्सम	तद्भव		तत्सम
निडर	-	निर्दर	पीछे	-	पश्चात्
निठुर	-	निष्ठुर	पिसन	-	पिसण, पिषण
निगलना	-	निर्गलन	पियारा	-	प्रिय
नाह	-	नाथ	पिता	-	पितृ
नारियल	-	नारिकेल	पिटारा	-	पिटक
नाथ	-	नस्ता	पाहुना	-	प्राघूर्ण
नाती	-	नप्तृ	पाहन	-	पाषाण
नाती	-	नप्तृक	पास	-	पार्श्व
नाच	-	नृत्य	पापी	-	पातकी
नाघना	-	लंघन	पापड़	-	पर्पट
नाखून	-	नख	पाप	-	पातक
नाक	-	नक्र, नासिका,नसिका	पानी	-	पानीय
नाई	-	नापित	पाना	-	प्रापण
नहीं	-	न हि	पान	-	पर्ण
नहना	-	नखहरण	पाथ	-	पथ
नस	-	नस्य	पातुर, पातुरी	-	पातिली
नवाशी	-	नवाशीति	पाती	-	पत्रिका
नरसों	-	अन्य परश्व	पाता	-	पदत्राता
नया	-	नव्य	पात	-	पत्र
नब्बे	-	नवति	पाठा	-	पुष्ट
नकथ, नखत	-	नक्षत्र	पाख	-	पक्ष
नंदोई	-	ननांदपति	पाँव	-	पाद
नंगा	-	नग्न	पाँत	-	पंक्ति
धोना	-	धावन	पाँचा	-	पंच
धूल	-	धूलि	पाँच	-	पंच
धूर्त	-	धृष्ट, वंचक	पाँक	-	पंक
धुनि	-	ध्वनि	पहुँच	-	प्रभुत्व
धुआँ	-	धूम्र	पहला	-	प्रथम, प्रथिल
धीरज	-	धैर्य	पहर	-	प्रहर
धाम	-	धर्म	पहनना	-	परिधान
धान	-	धान्य	पहचान	-	प्रत्यभिज्ञान
धरम	-	धर्म	पसीना	-	प्रस्विन्न, प्रस्वेदन, प्रस्वेद
धरती	-	धरित्री	पल्ला	-	पल्लव
धन्नासिंह	-	धनश्रेष्ठ	पलड़ा	-	पटल
धनिया	-	धनका, धनिका	पलंग	-	पर्यंक
दोहरा	-	द्विधा-सृप	परिवा	-	प्रतिपदा
पीतल	-	पित्तल	पराठा	-	पर्पट
पीढ़ी	-	पीठिका	परसों	-	परश्वः
पीढ़ा	-	पीठ			
पीठी	-	पिष्टिका			
पीठ	-	पृष्ठ			

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

तद्भव		तत्सम	तद्भव		तत्सम
परस	-	स्पर्श	दूध	-	दुग्ध
परमारथ	-	परमार्थ	दूजा	-	द्वितीय
परपोती	-	प्रपौत्री	दुबे	-	द्विवेदी
परपोता	-	प्रपौत्र	दुबला	-	दुर्बल
परनला	-	प्रणाल	दुपट्टा	-	द्विपर, उत्तरीय
परख	-	परीक्षा	दुआर	-	द्वार
परकोटा	-	परिकूट	दीवाली	-	दीपावली
पर	-	उपरि	दीया	-	दीपक
पपड़ी	-	पर्पटी	दीठ	-	दृष्टि
पन्ना	-	पर्ण	दिशा	-	दिक्, ककुभ
पनसारी	-	पण्यशालिक	दाहिना	-	दक्षिण
पत्थर	-	प्रस्तर	दास	-	किंकर
पत्ता, पात	-	पत्र	दामाद	-	जामाता
पतोहू	-	पुत्रवधू	दाद	-	दन्दु, दद्रु
पतला	-	प्रतनु	दाढ़ी	-	द्रंष्ट्रिका
पढ़ना	-	पठन	दाढ़	-	द्रंष्ट्रा
पढ़	-	पठ	दाख	-	द्राक्षा
पड़ोसी	-	प्रतिवेशी, प्रतिवासी	दाई	-	धात्री, धाया
पड़ोस	-	प्रतिवेश, प्रतिवास	डाइन	-	डाकिनी
पड़ना	-	पतन	डाँड़	-	दण्ड
पछतावा	-	पश्च्याताप	डसना	-	दंशन
पच्छी	-	पक्षी	डर	-	दर
पचपन	-	पंचपंचाशत्	डंडा	-	दण्ड
पगहा	-	प्रग्रह	डंक	-	दंश
पखवारा	-	पक्ष+वार	ठांव	-	स्थान
पक्का	-	पक्व	ठंडा	-	स्तब्ध
पकवान	-	पक्वान्न, पक्वान्	टूटना	-	त्रुत्यते
पंदरह	-	पंचाशत्	टिटिहरी	-	टिट्टिभी
पंगत	-	पंक्ति	टाट	-	तंतु
पंख	-	पक्ष	टकसाल	-	टंकशाला
दोना	-	द्रोण	झोंटा	-	जूट
दो	-	द्वौ, द्वि	झूठा	-	जुष्ट
देस	-	देश	झीना	-	जीर्ण
देवर	-	द्विवर	झाँवा	-	झामक
देखना	-	दृश+प्रेक्षण	झरोखा	-	जालक
दृग	-	दृक्	झरोखा	-	गवाक्ष
दूसरा	-	द्विसृत	झरना	-	निर्झर
दूल्हा	-	दुर्लभ	झनकार	-	झंकृत, झणत्कार
दूब	-	दूर्वा	झण्डा	-	ध्वज
दूना	-	द्विगुण	झट	-	झटिति
			जौ	-	यव

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

तद्भव		तत्सम
जोबन	-	यौवन
जोधा	-	योद्धा
जोत	-	ज्योति
जोड़ा	-	युक्त
जोगी	-	योगी
जो	-	यः
जैसा	-	यादृश
जेठ	-	ज्येष्ठ
जूठा	-	जुष्ट
जुगति	-	युक्ति
जुआ	-	द्यूत, युक्त
जीभ	-	जिह्वा
जिस	-	यस्य
जामुन	-	जम्बुल, जंबू
बावला	-	वातुल
बावन	-	द्वापंचाशत
बावड़ी	-	वापी
बालू	-	बालुका
बारह	-	द्वादश
बार	-	वार
बायाँ	-	वाम
बानवे	-	द्वानवति
बादल	-	वारिद
बात	-	वार्ता
बाड़ी	-	वाटिका
बाट, बट्टा	-	वटक
वट्ट	-	वर्त्म
बटोही	-	वट्टवोही
फुड़िया	-	पनसिका
फिटकरी	-	स्फटिक
फागुन	-	फाल्गुन
फांक	-	फलक
फाँसी	-	पाशिका
फहराना	-	प्रसारण
फलाहारी	-	फलाहारिन्
फरसा, फरुआ	-	परशु
फंद	-	बंध
प्रथवी, प्रथ्वी	-	पृथ्वी
प्यास	-	पिपासा
पौना	-	पादोन, पाद+ऊन
पौन	-	पवन

तद्भव		तत्सम
पोता	-	पौत्र
पोखरा	-	पुष्कर
पोंथी	-	पुस्तक
पैर	-	पद, पदिर, पाद
पैदल	-	पद्राति
पैंतीस	-	पंचत्रिंशत्
पूस	-	पौष
पूरा	-	पूर्ण
पूरब	-	पूर्व
पूत	-	पुत्र
पूछना	-	पृच्छन
पूँजी	-	पुंज
पुरुषारथ	-	पुरुषार्थ
पुराना	-	पुराण, पुरातन
पुतली	-	पुत्तलिका
पुजारी	-	पूजाकारी
पुआ	-	पूप
पुंछ	-	पुच्छ
पीला	-	पीत
पीपल	-	पिप्पल
पिता	-	पितृ
नौ	-	नव
नोन	-	लवण
नोचना	-	लुंचन
नैहर	-	ज्ञातिगृह
नैन	-	नयन
नेह	-	स्नेह
नेवला/नेउर	-	नकुल
जाना	-	यति
जानना	-	ज्ञान
जाड़ा	-	जाड्य
जागना	-	जाग्रण
जाँघ	-	जंघा
जहाँ	-	यत्र
जवान	-	युवक, युवान
जलना	-	ज्वलन
जम्हाई	-	जृम्भिका, जृंभा
जमुना	-	यमुना
जमाई	-	जामातृ
जम	-	यम
जब	-	यदा

GET IT ON Google Play
Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

तद्भव		तत्सम
जनेऊ	-	यज्ञोपवीत
जनवासा	-	जड़वास
दाँत	-	दंत
दही	-	दधि
दसवाँ	-	दशम
दस	-	दश
दरसन	-	दर्शन
दबना	-	दमन
दई	-	दैव
थोड़ा	-	स्तोक
थूनी	-	थम्भी
ताजा, हाल का	-	सद्य
ताकना	-	तर्कन
ताँबा	-	ताम्र
तलवार	-	तरवारि
तरनी	-	तरणी
तमोली	-	ताम्बूलिक
तमचूर	-	ताम्रचूर्ण
तब	-	तदा
तपसी	-	तपस्वी
तपना	-	तप्त
तकुआ	-	तर्कु
तंडुल	-	तन्दुल
ढौंचा	-	अर्थपंच
ढूह	-	स्तूप
ढीला	-	शिथिल
ढीठ	-	धृष्ट
ढिंढोरा	-	डिंडम+रव
ढाक, पलास	-	आषाढ़क
ढाई	-	द्वयार्थ/अध्यर्द्ध
ढाई	-	अर्धतृतीय, सार्द्धद्वि
ढाँचा	-	स्थाता
ढहना	-	ध्वंसन
ढंग	-	दिग्
ड्योढ़ा	-	द्वयर्द्ध
डेढ़	-	एकार्थ, द्वयर्द्ध, अध्यर्द्
डाह	-	दाह
डाढ़	-	दंष्ट्रा
जनम	-	जन्म
जत्था	-	यूथ
जड़	-	जटा

तद्भव		तत्सम
जजमान	-	यजमान
जंगला	-	वातायन
जँवाई	-	जामातृ
जँवा	-	युवा
जँगला	-	वातायन
छोभ	-	क्षोभ
छोड़ना	-	क्षोड़न
छोटा	-	क्षुद्र
छेनी	-	छेदनी
छेद	-	छिद्र
छुरी	-	क्षुरिका
छिलका	-	शकल
छियालिस	-	षट्चत्वारिंशत्
छिन	-	क्षण
छाया	-	छत्र
छाता	-	छत्रक
छाजन	-	छाद्य, छादन
छाँह	-	छाया
छह	-	षट्
छब्बीस	-	षड्विंशति
छप्पन	-	षट्पंचाशत्
छत्तीस	-	षट्त्रिंशत
छति	-	क्षति
छत	-	छत्र
छड़ी	-	यष्टि
गाजर	-	गर्जर, गृञ्जन
गागर	-	गर्गर
गाँव	-	ग्राम
गाँठ	-	ग्रन्थि
गहरा	-	गम्भीर
गवैया	-	गायक
गला	-	ग्रीवा
गलना	-	गलन
ग़लत	-	ग़ल्त
गर्मी	-	ग्रीष्म
गर्दन	-	ग्रीवा
गरी	-	गुलिका
गनेश	-	गणेश
गधा/गदहा	-	गर्दभ
गड्ढा	-	गर्त, खाती
गँवार	-	ग्राम+कार (ग्रामीण)

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

तद्भव		तत्सम
खोदना	-	क्षोदना, क्षोदन
खोता	-	खगायतन
खैर	-	खदिर
खेल	-	केलि
खेती	-	क्षेत्रित
खेत	-	क्षेत्र
खुर	-	क्षुर
खीर	-	क्षीर
खार	-	क्षार
खाना	-	खादन
थिरता	-	स्थितरता
थाली	-	स्थाली, स्थाल
थायी	-	स्थायी
थामना	-	स्तम्भन
थाम	-	स्तम्भ
थान	-	स्थान
था, थात	-	स्थित
थल	-	स्थल
थम्ब, थम्भ	-	स्तम्भ
थन	-	स्तन
थका-माँदा	-	श्रान्त
थकान	-	शिथिल
थंभ	-	स्तम्भ
त्यौहार	-	तिथिवार
त्यों	-	तदा, एवम्
तोड़ना	-	त्रोटन
तोंद	-	तुंद
तो	-	ततः
तैसा	-	तादृश
तैंतीस	-	त्रित्रिंशत्
तैंतालिस	-	त्रिचत्वारिंशत्
तेल	-	तैल
तेरा	-	तव
तेरह	-	त्रयोदश
तेरस, तेरह	-	त्रयोदश
तेईस	-	त्रिविंशति
तू	-	त्वं
तुरन्त	-	त्वरित
तुम	-	तुषमे, त्वम्
तुझ	-	तुभ्यम्
तीसरा	-	तृतीय, त्रिसृत्
तीस	-	त्रिंशत्

तद्भव		तत्सम
तीरथ	-	तीर्थ
तीनकूट	-	त्रिकूट
तीन	-	त्रीणि
तीता	-	तिक्त
तीतर	-	तित्तिरि
तीजा	-	तृतीयक
तीखा	-	तीक्ष्ण
तिहाई	-	त्रिभागिका
तिली	-	तिल
तिराहा	-	त्रिपथ
तिरछा	-	तिर्यक्, तिरश्च
तिपाई	-	त्रिपाद
तिनका	-	तृण
तिगुना	-	त्रिगुण
ताव	-	ताप
तालाब	-	तड़ाग
खान	-	खनि
खाट	-	खटवा
खाजा	-	खाद्य
खाज, खुजली	-	खर्जू
खाई	-	खाति
खाँसी	-	कास
खलित	-	स्खलित
खम्भा	-	स्तम्भ, स्कम्भ, स्थूण
खपड़ा, खप्पर	-	खर्पर
खत्री	-	क्षत्रिय
खड्ग	-	खड्ग
खटमल	-	खट्वामल
खजूर	-	खर्जूर
खजुली	-	खर्जू
खंडहर	-	खंडगृह
खंजता	-	पंगुता
क्रोधी	-	क्रुद्ध
क्रोधित	-	क्रुद्ध
क्यों	-	किंपुनः
क्यारी	-	केदारिका
क्या	-	किम्
कौवा	-	काक
कौर	-	कवल
कौन	-	कःपुनः
कौड़ी	-	कपर्दिका

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

तद्भव		तत्सम	तद्भव		तत्सम
चरित	-	चरित्र	गिनना	-	गणना
चरन	-	चरण	गिद्ध (गीध)	-	गृध्र, गृद्ध
चमार	-	चर्मकार	गाहक	-	ग्राहक
चमड़ा(चाम)	-	चर्म	गाय	-	गौ/गो
चबूतरा	-	चर्वुतरा	गाभिन	-	गर्भिणी
चबाना	-	चर्वण	गाड़ी	-	गार्त
चना	-	चणक	कौआ	-	काक
चख	-	चक्षु (नेत्र)	कोहनी	-	कफोणी
चक्का	-	चक्र	कोस	-	क्रोश
चकवा	-	चक्रवाक	कोयल	-	कोकिल
घोड़ा	-	घोटक	कोना	-	कोण
घूँघट	-	गुंठन	कोदो	-	कोद्रव
घुँघची	-	गुंजा	कोढ़ी	-	कुष्ठी
घी	-	घृत	कोढ़	-	कुष्ठ
घिस, घिसना	-	घृष्, घृषण	कोठी	-	कोष्ठिका
घिन	-	घृणा	कोठारी	-	कोष्ठागारिक
घास	-	तृण	कोठा	-	कोष्ठक
घाव	-	घात	कोख	-	कुक्षि
घाम	-	घर्म	कैसा	-	कीदृश, किंभूत
घाट	-	घट्ट	कैथा	-	कपित्थ
घरनी	-	गृहिणी	केहरी	-	केशरी
घर	-	गृह	केवट	-	कैवत, कैवर्त्त
घड़ी	-	घटी	केला	-	कदली
घड़ी	-	घटिका	केकड़ा	-	कर्कट
घड़ा	-	घट	के	-	कृते/कार्ये
ग्वाला	-	गोपालक	कृप्या	-	कृपया
ग्वाल	-	गोपाल	कूर	-	क्रूर
ग्यारह	-	एकादश	कूदना	-	कूर्दन
गौना	-	गमन	कूड़ा	-	कूट
गोह	-	गोधा	कूची	-	कूचिंका
गोल	-	वर्तुल	कुम्हार	-	कुम्भकार
गोरा	-	गौर	कुम्हड़ा	-	कुष्माण्ड
गोबर	-	गोमय,गोविष्ट,गो-विट	अम्मा	-	अंब
गोद	-	क्रोड	अमोल	-	अमूल्य
गोत	-	गोत्र	अमी, अमिय	-	अमृत
गेहूँ	-	गोधूम	अमावस	-	अमावस्या
गेरू	-	गौरिक	अमरूद	-	अमरुत
गेंद	-	कंदुक	अमचूर	-	आम्रचूर्ण
गूँजना	-	गुंजन	अफीम	-	अहि-फेन
गुसाईं	-	गोस्वामी	अफवाह (जनरव)	-	किंवदन्ती
गुफा	-	गुहा			
गुन	-	गुण			

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

तद्भव		तत्सम
अपाहज	-	अपादहस्त
अपना	-	आत्मनः
अन्दर	-	अन्तःपुर
अनूठा	-	अनुत्थ
अनी	-	अणी
अनाड़ी	-	अनर्थ/अनार्य
अनाज	-	अन्नघ
अधूरा	-	अर्धपूरक
अधरम	-	अधर्म
अदरक	-	आर्द्रक
अथवा, या	-	किंवा
अढ़ाई	-	अर्धतृतीय
अड़सठ	-	अष्टाजष्टि
अठारह	-	अष्टादश
अठखेली	-	अष्टकेलि
अट्ठासी	-	अष्टाशीति
अट्ठावन	-	अष्टापंचाशत
अट्ठाईस	-	अष्टाविंशति
अट्टानबे	-	अष्टानवति
अटारी	-	अट्टालिका
अजान	-	अज्ञान
अजवाइन	-	यवनिका
अच्छर (आखर)	-	अक्षर
अचरज	-	आश्चर्य
अगुवा	-	अग्रणी
अगार	-	आगार
अगाड़ी	-	अग्रणी
अगहन	-	अग्रहायण
अगम	-	अगम्य
अखाड़ा	-	अक्षवाट
अखरोट	-	अक्षोट
अकेला	-	एकल
अकास	-	आकाश
अकाज	-	अकार्य
अंस	-	अंश
अंधियारा, अंधेरा	-	अंधकार
अंधा	-	अंध
अंतःकरण	-	अन्तस्
अंडी	-	एरंडी
अंजली	-	अञ्जलि

तद्भव		तत्सम
अंगूठा	-	अंगुष्ठ
अंगारा	-	अंगार
अँतड़ी, आँत	-	आँत्र, अंत्र
अँगोछा	-	अंगप्रोंछा
अँगुरी	-	अँगुली
अँगुठी	-	अँगुष्ठिका, अंगुली
अँगीठी	-	अग्निष्ठिका
अँगरखा	-	अंगरक्षक
कुपूत	-	कुपुत्र
कुदारी	-	कुद्दाल
कुत्ता	-	कुक्कुर
कुटुम	-	कुटुम्ब
कुछ	-	कश्चित्
कुआँ	-	कूप
कुंजी	-	कुचिका, कुञ्जिका
कुँवारा	-	कुमारकः
कीड़ा	-	कीटक
किसान	-	कृषक
छठी	-	षष्ठी
छठा	-	षष्ठ
छक्का	-	षट्क
छकड़ा	-	शकट
छः	-	षष्ठ, षट्
चौहत्तर	-	चतुस्सप्तति
चौराहा	-	चतुष्पथ
चौरासी	-	चतुःशीति, चतुरशीति
चौबे	-	चतुर्वेदी
चौबीस	-	चतुर्विंशति
चौपाया	-	चतुष्पद
चौदह	-	चतुर्दश
चौथाई	-	चतुर्थभागिक
चौथा	-	चतुर्थ
चौखट	-	चतुष्काठ
चौकी	-	चतुष्पादिका
चौकन्ना, सतर्क	-	सुचेतस्
चौक	-	चतुष्क
चौंसठ	-	चतुष्षष्ठि
चौंरी	-	चमरी
चौंतीस	-	चतुस्त्रिंशत्
चौ	-	चतुः

GET IT ON Google Play **Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"**

तद्भव		तत्सम
चोरी	-	चोर्य
चोर	-	चौर
चोंच	-	चंचु
चोंच	-	चञ्चु
चैत	-	चैत्र
चूल्हा, चूला	-	चुल्लीक
चूरन	-	चूर्ण
चूमना	-	चुम्बन
चूना	-	चूर्ण
चुल्लू	-	चुल्लुक
चुनना	-	चिनोति
चीता	-	चित्रक
चितेरा	-	चित्रकार
चित	-	चित्त
चिड़िया	-	चटका
चिड़ा	-	चटक
चिकना	-	चिक्कण
चाहे	-	चक्षते
चालीस	-	चत्वारिंशत्
चार	-	चत्वारि
चाचा	-	पितृव्य
चाक	-	चक्र
चांदी	-	रजत
चाँदनी	-	चन्द्रिका
चाँद	-	चन्द्र
किसम	-	कृषण, कृषाण
किसन	-	कृष्ण
किस	-	कस्स
किवाड़	-	कपाट
किल्लोल	-	कल्लोल, कल्लौल
किराना	-	क्रयण
किरकिरी	-	कर्कर
किरकिरा	-	कर्कट
कितना	-	कियत्
कारज	-	कार्य
काम	-	कर्म
कान्ह, कान्हा	-	कृष्ण
काना	-	काणः
कान	-	कर्ण
कातिक	-	कार्तिक
औंधा	-	अवमूर्ध
ओस	-	अवश्याय

तद्भव		तत्सम
ओला	-	उपल
ओर	-	अवर
ओदर	-	उदर
ओठ	-	ओष्ठ
ओझा	-	उपाध्याय
ओखली	-	उलूखन
ओखल	-	उद्खल
ओंठ	-	ओष्ठ
ऐसा	-	इदृश
ऐना	-	दर्पण
ऐनक	-	उपचक्षु
एवज	-	स्थानापन्न
एका	-	ऐक्य
एकसठ	-	एकषष्ठि
एकलौता	-	एकल पुत्रः
एकतीस	-	एकत्रिंशत्
एकतालिस	-	एकचत्वारिंशत्
एकता	-	ऐक्य
एक	-	एकः
एड़ी	-	एडुकम, पार्ष्णिः
ऋनी	-	ऋणी
ऊसर	-	वन्ध्या
ऊमस	-	उत्सम
ऊन	-	ऊर्ण, ऊर्णा
ऊखल	-	उद्खल
ऊँट	-	उष्ट्र
ऊँचा	-	उच्च
ऊँगली	-	अंगुलि
उसास	-	उच्छ्वास
उस	-	अमुष्य
उल्लू	-	उलूक
उलाहना	-	उपालम्भ
उरध	-	उर्ध्व
उबालना	-	उद्वालन
उबटन	-	उद्वर्तन
उपास	-	उपवास
उपरोक्त	-	उपर्युक्त
उपज, उपजना	-	उत्पद्यते
उन्वास	-	ऊनपंचाशत्
उन्नीस	-	एकोनविंशति/ ऊनविंशति
उन्तीस	-	ऊनत्रिंशति
उन्तालीस	-	ऊनचंत्वारिंशत्

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

तद्भव		तत्सम	तद्भव		तत्सम
उड़	-	उड्ड	अहीर	-	आभीर
उठान	-	उत्थान	अस्सी	-	असीत्
उठ	-	उतिष्ठ	अस्सी	-	अशीति
उजला(उजाला)	-	उज्ज्वल	अस्तुति	-	स्तुति
उजड्ड	-	उज्जड	असीस	-	आशीष
उछाह	-	उत्साह	असाढ़	-	आषाढ़
उघाड़ना	-	उद्घाटन	अलोना	-	अलवण
उगलना	-	उद्गलन	अलग	-	अलग्न
उगना	-	उद्गत	अरपन	-	अर्पण
उंगली	-	अँगूलिका	कसेरा	-	काँस्यकार
ईर्षा (इरखा)	-	ईर्ष्या	कष्ट, पीड़ा	-	शीद्
ईख	-	इक्षु	कलेश	-	क्लेश
ईंधन	-	इन्धन	कलम	-	लेखनी
ईंट	-	इसिका,इष्टिका,इष्टका	कल	-	कल्य
इस्थिति	-	स्थिति	करोड़	-	कोटि
काढ़ा	-	क्वाथ	करेला	-	कारवेल
काठ	-	काष्ठ	करतब	-	कर्तव्य
काटना	-	कर्तन	कबूतर	-	कपोत
काट	-	कर्त	कब	-	कदा
काजल	-	कज्जल	कपूर	-	कर्पूर
काज	-	कार्य	कपूत	-	कुपुत्र
कांसा	-	कांस्य	कपास	-	कर्पास
काँटा	-	कण्टक	कपड़ा	-	कर्पट
काँच	-	काच	कन्धा	-	स्कन्ध
का	-	कृत	कन	-	कण
कहार	-	स्कन्धधार, स्कन्धभार	कड़ुआ	-	कटुक
कहानी	-	कथानिका	कड़ुआ	-	कटु
कहाँ, किधर	-	कुत्र, कुत्रस्थ	कड़ाह	-	कटाह
कहाँ	-	कुत्र	कठपुतली	-	काष्ठपुत्तलिका
कसौटी	-	कर्षपट्टिका	कटहल	-	कंटफल
आंवला	-	आमलक	कछुआ	-	कच्छप
आँसू	-	अश्रु	कच्चा	-	कुपच, कषण
आँब	-	आमा	कचहरी	-	कृत्यगृह
आँत	-	आँत्र	कई	-	कति
आँचर	-	आँचल	कंवल	-	कमल
आँच	-	अर्चि	कंधा	-	स्कंध
आँख	-	अक्षि	कंचन	-	काँचन
आँक	-	अंक	कंघी	-	कंकती
आँक	-	अङ्क	कंगाल	-	कंडगाल
अहेर	-	आखेट	कंगन	-	कंकण

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

तद्भव		तत्सम	तद्भव		तत्सम
और	-	अपर	आस	-	आशा
औध	-	अवध	आवाँ	-	आपाक
औचक	-	अकस्मात्	आलस	-	आलस्य
औगुन	-	अवगुण	आरसी	-	आदर्शिका
इस	-	ऐतस्य, एतस्	आयसु	-	आदेश
इलायची	-	एला	आम	-	आम्र
इमली	-	अम्लिका	आभूसन	-	आभूषण
इधर, यहाँ	-	यत्र	आप	-	आत्म
इतवार	-	आदित्यवार	आधीन	-	अधीन
इतना	-	इयत	आधा	-	अर्ध, अर्द्ध
इक्यासी	-	एकाशीति	आढ़त	-	आढ़यत्व
इक्यावन	-	एकपंचाशत्	आठ	-	अष्ट
इक्कीस	-	एकविंशति	आज	-	अद्य, आद्य
इकतीस	-	एकत्रिंशत्	आग	-	अग्नि
इकट्ठा	-	एकत्र, एकस्थ			
आसरा	-	आश्रय			

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

Daily Current Affairs PDF, Best Test Series, Best GK PDF के लिए हमें Follow करें

हमें FOLLOW करें

- Telegram
- Whatsapp
- Instagram
- Apps
- Youtube

GK Trick By Nitin Gupta
The Ultimate Key to Success.

Welcome To

GK TRICK BY NITIN GUPTA APP

यहाँ पर आपको मिलेगा

- Best PDF Notes For All Exams
- Best Test Series For All Exams
- Daily Current Affairs PDF
- सभी Course बहुत ही कम Price पर
- सभी Test Detail Discription के साथ व Analysis करने को सुविधा